Rupali Mukerjee. B.A Part III (Hons. Paper 6th
Ph.D in Music
Associate Prof.
M. College Sas.

Life History of Pandit Pannalal Gosh.

पन्नालाल घोष — सुप्रसिद्ध बाँसुरी वादक पं० पन्नालाल घोष का जन्म एक बंगाली परिवार में हुआ था। इनके पिता सितार वादक थे। पिता जी के सितार वादन सुनते सुनते बाल्यावस्था से ही उनमें संगीत में विशेष रुचि जागृत होता गया।

1925 ई० में कलकत्ता के प्रसिद्ध फिल्म कंपनी में काम करते समय प्रसिद्ध हारमोनियम वादक खुशी मुहम्मद जी से पन्नालाल जी का परिचय हुआ तथा पन्नालाल जी उनसे प्रभावित होकर शिक्षा लेनी प्रारम्भ किये तथा एक वर्ष तक उनसे तालीम लेते रहे। सन 1937 ई० में पन्नालाल घोष जी कि बाँसुरी वादन में रुचि उत्पन्न हुई किसी भी अच्छे कलाकार को बाँसुरी बजाते देखते तो उनके बजाने की शैली को ध्यान पूर्वक अवलोकन करते और अपने घर आकर उसका अभ्यास करते। धीरे धीरे यह रुचि बढ़ती गई। तत्पश्चात 1938 ई० मे पन्नालाल घोषजी ने श्री गिरिजाशंकर चक्रवती से संगीत शिक्षा ग्रहण किए।

1940 ई० मे पन्नालाल घोष जी ने कलकत्ता से बंबई आ गए। फिल्म कम्पनी मे काम करने के कारण उन्हें फिल्मी क्षेत्र के संगीत का अनुभव था जिसके कारण बंबई आते ही फिल्मों में संगीत निर्देशन का अवसर प्राप्त हुआ। लेकिन इसके बाद भी उन्होंने बाँसुरी वादन का अभ्यास नहीं छोड़ा।